पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VI

Hindi

Specimen copy

Year- 2022-23

Month-April, June

अनुक्रमणिका

क्रम नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अप्रैल – मई	➢ **कविता -1= वह चिड़ियाँ जो** ➢ व्याकरण = भाषा ,लिपि ,व्याकरण ➢ लेखन -विभाग = निबंध ➢ **पाठ -2 बचपन** ➢ व्याकरण = संज्ञा ➢ लेखन -विभाग = पत्र लेखन ➢ बाल रामायण = पाठ -1,2
2	जून	➢ **पाठ-3 नादान दोस्त** व्याकरण- सर्वनाम लेखन विभाग- अनुच्छेद ➢ **कविता-4** चाँद से थोड़ी सी गप्पे व्याकरण- क्रिया लेखन विभाग- संवाद लेखन

कविता -1 वो चिड़िया जो
(लेखक- श्री केदारनाथ अग्रवाल)

➢ कविता का सार

प्रस्तुत कविता में चिड़िया अपना परिचय देते हुए कहती है कि मैं वह चिड़िया हूँ जो दूध से भरे जुण्डी के दानों को बड़े शौक से खाती है| मुझे अन्न के दानों से बहुत प्यार है| मैं छोटी और संतोषी चिड़िया हूँ मेरे पंख नीले है | मैं वह चिड़िया हूँ जो बूढ़े वन-बाबा की खातिर बहुत मधुर स्वर में गाना गाती हूँ| मैं

वह चिड़िया हूँ जो चोंच मारकर चढ़ीनदी का दिल टटोलकर जल का मोती ले जाती है | मैं छोटी और गर्वीली चिड़िया हूँ तथा मैं नदी से बहुत प्यार करती हूँ |

➢ नए शब्द

1) दूध -भरे
2) जुण्डी
3) रुचि से
4) गरबीली
5) संतोषी
6) रस उंडेलकर
7) विजन
8) विजन

➢ शब्दार्थ

1) दूध -भरे = कच्चे , अधपके ,मीठे
2) जुण्डी = ज्वार
3) रुचि से = खुशी से
4) रस से = रस लेकर , स्वाद लेकर
5) संतोषी = संतोष करने वाली
6) रस उंडेलकर = मधुर , शहद घोलकर
7) मुँह बोली = प्यारी
8) विजन = निर्धन स्थान , एकांत
9) जल का मोती = पानी की बूँद
10) गरबीली = स्वाभिमानी

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(1) चिड़िया आनंदपूर्वक क्या खाती है?

(i) दूध भरे गेहूँ के दाने
(ii) दूध भरे मक्का के दाने
(iii) दूध भरे ज्वार के दाने
(iv) दूध भरे धान

(2) चिड़िया के पंख के रंग कैसे हैं?

(i) लाल
(ii) पीले
(iii) नीले
(iv) काले

(3) चिड़िया को पसंद है-

(i) फल
(ii) सब्ज़ी
(iii) अनाज़ के दाने
(iv) मिठाई

(4) चिड़िया किसके लिए गाती है?

(i) नदियों के लिए
(ii) संगीत प्रेमियों के लिए
(iii) जंगल के लिए।
(iv) अपने मित्र के लिए

(5) चिड़िया को किन चीज़ों से प्यार है?

(i) नदी से
(ii) जंगल से
(iii) अन्न से
(iv) उपर्युक्त सभी

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.चिड़िया के पंख किस रंग के हैं?
उत्तर- चिड़िया के पंख नीले रंग के हैं।

प्रश्न 2. चिड़िया कहाँ से मोती ले जाती है?
उत्तर- चिड़िया नदियों के उफनते जल से मोती ले जाती है।

प्रश्न 3. चिड़िया किसके दाने खाती है?
उत्तर- चिड़िया जुडी के दाने खाती है।

प्रश्न 4. अनाज के दाने किससे भरे हुए हैं?
उत्तर- अनाज के दाने दूध से भरे हुए हैं।

प्रश्न 5. चिड़िया का स्वभाव कैसा है?
उत्तर- चिड़िया का स्वभाव संतोषी है।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कविता के आधार पर चिड़िया के स्वभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर- इस कविता में नीले पंखोंवाली एक छोटी सी चिड़िया का वर्णन है। इस चिड़िया का स्वभाव-संतोषी है। थोड़े से दाने इसके लिए पर्याप्त हैं। यह मुँह बोली है। यह एकांत में उमंग से गाती है। यह गरबीली भी है।इसे अपने साहस और हिम्मत पर गर्व है।

प्रश्न 2. चिड़िया किससे प्यार करती है और क्यों?

उत्तर- इस छोटी चिड़िया को अन्न से प्यार है। यह जुडी के दाने बड़े मन से खाती है। उसे विजन से प्यार है। उसे नदी से भी प्यार है। एकांत जंगल में वह मधुर स्वर में गाती है। वह उफनती नदी की बीच धारा से जल की बूंदें अपनी चोंच में लेकर उड़ जाती है।

प्रश्न 3. चिड़िया अपना जीवन कैसे व्यतीत करती है?

उत्तर- चिड़िया अपना जीवन प्रेम, उमंग और संतोष के साथ व्यतीत करती है। वह सबसे प्रेम करती है। एकांत में भी उमंग से रहती है। वह संतोषी है। वह थोड़े में ही संतोष करती है। आजाद होने की वजह से वह मीठे स्वर में गाती है। उसका स्वर बहुत मीठा है। वह गाते और उड़ते हुए अपना पूरा जीवन व्यतीत करती है।

प्रश्न 4 . चिड़िया के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर- कवि चिड़िया के माध्यम से खुशी से जीने का संदेश हमें देते हैं। चिड़िया के माध्यम से हमें सीख मिलती है कि हमें थोड़े में ही संतोष करना चाहिए। इसके साथ ही कवि हमें बताते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस नहीं खोना चाहिए। हमें अपनी क्षमता को भी पहचानना चाहिए।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उत्तर -चिड़िया जिन चीज़ों से प्यार करती है वो इस प्रकारहैं- चिड़िया को खेतों में लगे जौ-बाजरे की फलियों से प्यार है। उसे जंगल में मिले एकान्त, जहाँ वह खुली हवा में गाना गा सकती है, से प्यार है। उसे नदी से प्यार है जिस का ठंडा और मीठा पानी वह पीती है। यह चीज़ें उसे आज़ादी का एहसास दिलाती हैं। इसलिए वह इन सब से प्यार करती है।

प्रश्न 2 कवि ने चिड़िया को छोटी,संतोषी,मुँहबोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?

उत्तर - चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँह बोली कहा है। वह संतोषी स्वभाव की है।अतः कवि उसे संतोषी कहता है।चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्यों कि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलता पूर्वक कर जाती है।यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है।

(व्याकरण)

भाषा , लिपि और व्याकरण

➢ **भाषा** - भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों को आदान – प्रदान करता है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप हैं-

1) मौखिक भाषा – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को बोलकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

2) लिखित भाषा – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को लिखकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का

लिखित रूप कहलाता है।

लिपि – भाषा का प्रयोग करते समय हम सार्थक ध्वनियों का उपयोग करते हैं। इन्हीं मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर व्यक्त किया जाता है, वे लिपि कहलाते हैं।

भाषा	**लिपि**
हिंदी, संस्कृत, मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू, फ़ारसी	फ़ारसी
अरबी	अरबी
बंगला	बंगला
रूसी	रूसी
अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश	रोमन

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई।

व्याकरण – व्याकरण शब्द तीन शब्दों से मिलकर बना है: वि+आ+करण जिसका अर्थ होता है: भली-भाँति समझाना।

भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

1. भाषा कहते हैं|
   (i) भावों के आदान-प्रदान के साधन को (ii) लिखने के ढंग को
   (iii) भाषण देने की कला को (iv) इन सभी को
2. लिपि कहते हैं।
   (i) भाषा के शुद्ध प्रयोग को (ii) मौखिक भाषा को
   (iii) भाषा के लिखने की विधि को (iv) इन सभी को
3. बोलकर भाव एवं विचार व्यक्त करने वाली भाषा को ___ कहते हैं?
   (i) सांकेतिक भाषा (ii) लिखित भाषा
   (iii) मौखिक भाषा (iv) वैदिक भाषा
4. लिखित भाषा का अर्थ है
   (i) लिपि को समझना (ii) विचारों का लिखित रूप
   (iii) किसी के समक्ष लिखकर विचार देना (iv) विचारों को बोल-बोलकर लिखना
5. हिंदी भाषा की उत्पत्ति किस भाषा से हुई?
   (i) अंग्रेजी (ii) फ्रेंच
   (iii) उर्दू (iv) संस्कृत

लेखन -विभाग
निबंध

➢ ग्रीष्मऋतु

भारत में एक के बाद एक छः ऋतुएँ आती हैं। उन ऋतुओं में ग्रीष्म ऋतु का अपना महत्व है। ऋतु राज बसन्त की समाप्ति पर प्रकृति के आंचल में ग्रीष्म का आगमन होता है। जीवन में एक प्रकार की वस्तु से नीरसता आ जाती है। एक ही प्रकार का बढ़िया से बढ़िया भोजन भी कुछ दिनों के बाद नीरस सा लगने लगता है। भोजन में भिन्न-भिन्न रसों और स्वादों का होना आवश्यक है। उसी प्रकार स्वस्थ और आनंद मुक्त जीवन के लिए विभिन्न प्रकार की ऋतुओं का होना आवश्यक है।

ज्येष्ठ और आषाढ़ के महीने ग्रीष्म ऋतु के होते हैं। इन मासों में सूर्य की किरणें इतनी तेज होती हैं कि प्रातः काल में भी उन्हें सहन करना सरल नहीं होता। गर्मी इतनी अधिक होती है कि बार बार स्नान करने में आनंद आता है। शर्बत और ठंडा पानी पीने की इच्छा होती है। प्यास बुझाए नहीं बुझती। पानी जितना पिओ, उतना थोड़ा है। लू इतनी प्रचंड होती है कि उन्हें घर से बाहर निकलने का मन ही नहीं करता।गर्मियों में दिन लम्बे होते हैं और रातें छोटी। चलना फिरना भी इस मौसम में कष्टदायक हो जाता है। समय कटते नहीं कटता। मकान की दीवारें तक तप जाती हैं। पंखे भी गर्म हवा उगलने लगते हैं। कूलर के बिना गुजारा होना मुश्किल हो जाता है।

इस ऋतु में सूर्य की गति उत्तरायण की ओर होती है, जो गरम लू देता है जिससे असहनीय गर्मी पड़ती हैं । ग्रीष्म ऋतु में दिन लम्बे और रातें छोटी हो जाती हैं । सूर्य अपनी किरणों से जगत के द्रवांश पदार्थ को खींच लेता है । चारों दिशाओं में कष्टदायी पवनें चलती हैं, पृथ्वी गर्मी से तपी रहती है, नदियाँ कम जल-स्तर वाली हो जाती हैं ।मनुष्य की तरह जानवर भी गर्मी महसूस करते हैं । वह पेड़ की छाया में बैठकर जुगाली करना और पानी में तैरना पसन्द करते हैं । पक्षी अपने घोंसलों में छिपकर बैठते हैं । जिससे ज्ञात होता है कि गर्मी असहनीय है ।

ग्रीष्म ऋतु में शरीर अलसाया हुआ और काम न करने वाला हो जाता है । ठण्डे स्थान पर रहने को मन करता है । मध्यम वर्गीय लोग घरों में कूलर, पंखा, एअर कंडीश्नर लगाकर गर्मी को दूर करते हैं । गरीब आदमी खुले आसमान के नीचे सोता है । प्रात: आठ बजते ही धूप निकलती है और धीरे-धीरे परशुराम के क्रोध की तरह उग्र होती जाती है । लोग दोपहर को धूप से बचने के लिए छाता लेकर निकलते है ।गर्मी से हमें लाभ भी बहुत हैं। यदि गर्मी अच्छी पड़ती है तो वर्षा भी खूब होती है। गर्मी के कारण ही अनाज पकता है और खाने योग्य बनता है। ग्रीष्म ऋतु में गर्मी के कारण विषैले कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। इस ऋतु में आम, लीची आदि अनेक रसीले फल भी होते हैं। इनका स्वाद ही निराला होता है।

प्रत्येक ऋतु की अपनी अपनी विशेषता और अपना अपना महत्व है। ग्रीष्म ऋतु का अपना महत्व और आकर्षण है।

- **गतिविधि** – चिड़ियाँ का चित्र बनाकर रंग भरिए |

पाठ -2 बचपन
(लेखिका – कृष्णा सोबती)

➢ पाठ का सार

" बचपन " पाठ लेखिका श्रीमती कृष्णा सोबती का संस्मरण है , जिसमें वे बता रही है कि उम्र में वे बच्चों की दादी या नानी के बराबर हैं | वैसे उनके परिवार के लोग उन्हें जीजी कहते हैं | बचपन में उन्होने अनेक प्रकार के फ्रॉक पहने है | वे इतवार के दिन अपने मोजे खुद धोती थी तथा अपने जूते पोलिश करती थी | बचपन में उन्हें हर शनिवार को ऑलिव आयल या कैस्टर ऑइल पीना पड़ता था | हफ़्ते में एक दिन बच्चों को चोकलेट खरीदने की होती थी | उन्होने शिमला रिज पार घुड़सवारी की और खूब मजे किए | इसप्रकार लेखिका अपने बचपन की यादें ताजा कर रही है |

➢ नए शब्द

1- शताब्दी
2- पोशाकें
3- इतराते
4- शनीचर
5- शहतूत
6- ननिहाल
7- आश्वासन

➢ शब्दार्थ

1- शताब्दी = सौ वर्ष
2- दशक = दस वर्ष
3- फ्रिल = झालर
4- मितली = जी का मचलना
5- निरा = केवल
6- कमतर = ज्यादा छोटा
7- कोलाहल = शोर
8- आश्वासन = भरोसा
9- खीजना = क्रोध करना
10- शेर = कविता
11- सुभीतेवाली = आरामदायक
12- सहल = आसान

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) "बचपन' पाठ किसकी रचना है-

(i) प्रेमचंद
(ii) रवींद्रनाथ टैगोर
(iii) महादेवी वर्मा
(iv) कृष्णा सोबती

(ख) लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या काम करती थी?

(i) वह विद्यालय जाती थी। (ii) वह पौधों की देख-रेख करती थी।

(iii) वह नृत्य करती थी। **(iv) वह अपने मोजे व जूते पॉलिश करती थी**

(ग) लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?

(i) 18वीं सदी **(ii) 20वीं सदी**

(iii) 21वीं सदी (iv) 22वीं सदी

(घ) पहले गीत-संगीत सुनने के क्या साधन थे?

(i) रेडियो (ii) टेलीविज़न

(iii) ग्रामोफ़ोन (iv) सी० डी० प्लेयर

(ङ) हर शनिवार लेखिका को क्या पीना पड़ता था?

(i) घी **(ii) ऑलिव ऑयल**

(iii) सरसों तेल (iv) नारियल तेल

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस संस्मरण में लेखिका किसकी चर्चा कर रही है?

उत्तर- इस संस्मरण में लेखिका अपने बचपन की चर्चा कर रही है।

प्रश्न 2. लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?

उत्तर- 20वीं सदी में।

प्रश्न 3. लेखिको को सप्ताह में कितनी बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी?

उत्तर- लेखिका को सप्ताह में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी।

प्रश्न 4. हर शनिवार को लेखिका को क्या पीना पड़ता था?

उत्तर- हर शनिवार को लेखिका को ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था।

प्रश्न 5. दुकान में किस ट्रेन का मॉडल था?

उत्तर- दुकान में शिमलाकालका ट्रेन का मॉडल था।-

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखिका बचपन में कौन लेकर खाती थी-कौन सी चीजें मज़ा ले-?

उत्तर- लेखिका बचपन में कुल्फ़ी, शहतूत, फ़ाल्से के शरबत, चॉकलेट, पेस्ट्री तथा फले मजे ले लेकर-खाती थी। कुछ प्रमुख फल काफ़ल और चेस्टनट हैं।

प्रश्न 2. टोपी के संबंध में लेखिका क्या सोचती थी?

उत्तर- लेखिका बचपन के दिनों में सिर पर टोपी लगाना पसंद करती थी। उनके पास कई रंगों की टोपियाँ थीं।उनका कहना है कि सिर पर हिमाचली टोपी पहनना आसान था जबकि सिर पर दुपट्टा रखना थोड़ा कठिन काम।

प्रश्न 3. उम्र बढ़ने के साथ का के पहनावे मेंसाथ लेखि-क्याक्या बदलाव हुए हैं-?

उत्तर- उम्र बढ़ने के साथ आसमान का अंतर-सहन में जमीन-साथ लेखिका के पहनावे में और रहन-आ गया है। बचपन में लेखिका रंगबिरंगी पोशाकें पहनती थी। जैसे पहले फ्रॉक-, उसके बाद , स्कर्ट, लहँगे इत्यादि। वर्तमान परिवेश में वे चूड़ीदार पजामी और ऊपर से घेरेदार कुर्ता पहनती हैं।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखिका बचपन में कैसी पोशाक पहना करती थी?

उत्तर- बचपन में लेखिका रंग-बिरंगे कपड़े पहनती थी। उन्होंने पिछले दशकों में क्रमशः अनेक प्रकार के पहनावे बदले हैं। लेखिका पहले फ्रॉक उसके बाद निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे पहनती थी। उन दिनों फ्रॉक के ऊपर की जेब में रूमाल और बालों में इतराते रंग-बिरंगे रिबन का चलन

था। लेखिका तीन तरह की फ्रॉक इस्तेमाल किया करती थी। एक नीली पीली धारीवाला फ्रॉक था जिसका कॉलर गोल होता था। दूसरा हलके गुलाबी रंग का बारीक चुन्नटवाला घेरदार फ्रॉक था, जिसमें गुलाबी फ्रिल लगी होती थी। लेमन कलर के बड़े प्लेटों वाले गर्म फ्रॉक का जिक्र करती हैं, जिसके नीचे फ़र टॅकी थी।

प्रश्न 2. चश्मा लगाते समय डॉक्टर ने क्या भरोसा दिया था?

उत्तर- चश्मा लगाते समय डॉक्टर ने आश्वासन दिया था कि कुछ दिन चश्मा पहनने के बादचश्माआँखों से उतर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके लिए लेखिका स्वयं को ही जिम्मेदार मानती है। दिन की रोशनी में न काम कर रात में टेबल लैंप के सामने काम करने के कारण उनका चश्मा कभी नहीं हटा।

(व्याकरण – विभाग)
संज्ञा

- **संज्ञा** - किसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को ही संज्ञा कहते हैं।
  जैसे -मनुष्य जाति,अमेरिका, भारत स्थान,बचपन,मिठासभाव,किताब,टेबल,वस्तु आदि।

- **संज्ञा के भेद**

1) व्यक्तिवाचक संज्ञा- जो शब्द केवल व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं उन शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- भारत,चीन स्थान,किताब,साइकिल,वस्तु,सुरेश,रमेश,महात्मागाँधी व्यक्ति आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण-

- रमेश बाहर खेल रहा है।
- महेंद्रसिंह धोनी क्रिकेट खेलते हैं।
- मैं भारत में रहता हूँ।
- महाभारत एक महान ग्रन्थ है।
- अमिताभ बच्चन कलाकार हैं।

2) जातिवाचक संज्ञा- जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- मोबाइल, टीवी (वस्तु), गाँव, स्कूल (स्थान), आदमी, जानवर (प्राणी) आदि।

जातिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण-

- स्कूल में बच्चे पढ़ते हैं।
- बिल्ली चूहे खाती है।
- पेड़ों पर पक्षी बैठे हैं।

3) भाववाचक संज्ञा- जो शब्द किसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे-बचपन, बुढ़ापा, मोटापा, मिठास आदि।

भाववाचक संज्ञा के उदाहरण-

ज्यादा दोड़ने से मुझे थकान हो जाती है।

- लगातार परिश्रम करने से सफलता मिलेगी।

4) द्रव्यवाचक संज्ञा - जो शब्द किसी धातु या द्रव्य का बोध करते हैं, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

जैसे- कोयला, पानी,तेल,घी आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा के उदाहरण

- मेरे पास सोने के आभूषण हैं।
- एक किलो तेल लेकर आओ।
- मुझे दाल पसंद है।

5) समुदायवाचक संज्ञा- जिन संज्ञा शब्दों से किसी भी व्यक्ति या वस्तु के समूह का बोध होता है, उन शब्द को समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- भीड़,पुस्तकालय,झुंड,सेना आदि।

समुदायवाचक संज्ञा के उदाहरण

- भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेना है।
- कल बस स्टैंड पर भीड़ जमा हो गयी।
- मेरे परिवार में चार सदस्य हैं।

लेखन -विभाग
पत्र -लेखन

➢ **पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?**

पत्र लिखते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए –

- पत्र सरल और सुबोध भाषा में होना चाहिए।
- पत्र की भाषा दुर्बोध नहीं होनी चाहिए।
- पत्र का आकार संक्षिप्त होना चाहिए।
- पत्र में अलंकारों, मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग नहीं होना चाहिए।
- पते और तिथि के कुछ नीचे बाईं ओर सम्बोधन (प्रिय, महोदय, श्रीमान) लिखते हैं।
- अंत में पत्र के ऊपर पत्र पाने वाले का नाम, नगर का नाम, डाकघर, जिले व प्रदेश का नाम और पिन कोड नम्बर स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए।

पत्रों को मुख्यतः दो वर्गों में विभाजित किया जाता है जो निम्नलिखित हैं-

1. अनौपचारिक पत्र
2. औपचारिक पत्र

1) औपचारिक पत्र - औपचारिक पत्र ऐसे लोगों को लिखा जाता है। जिनसे लिखने वाले का कोई पारिवारिक या व्यक्तिगत सम्बन्ध नहीं होता है।

औपचारिक पत्र अधिकारियों को, विद्यालय के प्रधानाचार्य को, समाचार – पत्र के सम्पादक को, नौकर को, पुस्तक विक्रेता या किसी व्यापारी आदि को लिखा जाता है।

2) अनौपचारिक पत्र- अनौपचारिक पत्र ऐसे लोगों को लिखा जाता है। जिनसे लिखने वाले का कोई पारिवारिक या व्यक्तिगत सम्बन्ध होता है।

अनौपचारिक पत्र माता – पिता, भाई – बहन, दादा – दादी, मित्र सहेली तथा सम्बन्धियों को लिखा जाता है।

➢ **प्रधानाध्यापक को अवकाश के लिए पत्र**

सेवा में,
ए० बी० एस० स्कूल
दिल्ली
विषय – प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए पत्र|
आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल के कक्षा सातवीं का छात्र हूँ। मैं कल शाम सेबुखार से पीड़ित हूँ इसलिए स्कूल आने में पूरी तरह से असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने मुझे अगले तीन – दिन

तक विस्तार पर आराम करने के लिए कहा है। मैं अगले तीन – दिन तक स्कूल में अनुपस्थित रहूंगा। कृपा मुझे क्षमा करें और अगले तीन – दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
संदीप कुमार
कक्षा – 6
रूल नम्बर – 1

- **गतिविधि -** अपने बचपन का चित्र लगाए और अपने बचपन की कोई एक यादें लिखिए |

रामायण

पाठ -1 अवधपुरी में राम

प्रश्न-1 अयोध्या नगरी किस नदी के किनारे बसी थी और किस राज्य की राजधानी थी?
उत्तर - अयोध्या नगरी सरयू नदी के किनारे बसी थी और यह कोसल राज्य की राजधानी थी।

प्रश्न-2 राजा दशरथ को क्या दुःख था?
उत्तर- राजा दशरथ को यह दुःख था कि उनकी कोई संतान न थी।

प्रश्न-3 राजा दशरथ की कितनी पत्नियाँ थीं?
उत्तर - राजा दशरथ की तीन पत्नियाँ थीं - कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा।

प्रश्न-4 राजा दशरथ के कुल गुरु कौन थे?
उत्तर- राजा दशरथ के कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ थे ।

प्रश्न-5 पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ ने कौन सा यज्ञ किया?
उत्तर - पुत्र प्राप्ति के लिए राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया ।

प्रश्न-6 यज्ञशाला कहाँ बनाई गई?
उत्तर - यज्ञशाला सरयू नदी के किनारे बनाई गई ।

प्रश्न-7 यज्ञ में किन्हें आमंत्रित किया गया?
उत्तर - यज्ञ में अनेक राजाओं और ऋषि मुनियो को आमंत्रित किया गया ।

प्रश्न-8 महर्षि विश्वामित्र के आश्रम का क्या नाम था ?
उत्तर- महर्षि विश्वामित्र के आश्रम का नाम सिद्धाश्रम था ।

प्रश्न-8 रघुकुल की क्या रिति थी?
उत्तर - रघुकुल की रिति थी कि वचन का पालन प्राण देकर भी करना चाहिए ।

प्रश्न-9 महर्षि विश्वामित्र राम के साथ और किसे अपने साथ ले गए ?
उत्तर - महर्षि विश्वामित्र राम के साथ लक्ष्मण और किसे अपने साथ ले गए ।

प्रश्न-10 महर्षि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को क्या समझाया ?
उत्तर - महर्षि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को राम की शक्ति के बारे में, प्रतिज्ञा तोड़ने के बारे में और के साथ रहने पर राम को होने वाले लाभ के बारे में समझाया ।

पाठ -2 जंगल और जनकपुर

प्रश्न-1 राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र किस ओर बढ़े ?
उत्तर- राजमहल से निकल कर महर्षि विश्वामित्र सरयू नदी की ओर बढ़े ।

प्रश्न-2 अयोध्या नगरी सरयू नदी के किस तट पर थी ?
उत्तर- अयोध्या नगरी सरयू नदी के दक्षिणी तट पर थी ।

प्रश्न-3 चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र कहाँ थी ?
उत्तर - चलते समय राम और लक्ष्मण की नज़र महर्षि विश्वामित्र के सधे कदमो की ओर थी ।
प्रश्न-4 चिड़ियों के झुण्ड कहाँ जा रहे थे ?
उत्तर - चिड़ियों के झुण्ड अपने बसेरे की ओर लौट रहे थे ।
प्रश्न-5 आसमान का रंग कैसा हो गया था ?
उत्तर - आसमान का रंग मटमैला-लाल हो गया था ।
प्रश्न-6 सुंदर वन में कोई क्यों नहीं जाता था ?
उत्तर- ताड़का के डर से कोई सुंदर वन में नहीं जाता था क्योंकि जो भी आता ताड़का उसे मार डालती
प्रश्न-7 सुंदर वन का नाम ताड़का वन कैसे पड़ा ?
उत्तर - ताड़का का डर सुंदर वन में इतना था कि सुंदर वन का नाम ताड़का वन पड़ गया था ।
प्रश्न-8 ताड़का वन कब भयमुक्त हो गया?
उत्तर- ताड़का के मरने के बाद में ताड़का वन भयमुक्त हो गया ।
प्रश्न-9 आश्रम के लोग क्यों प्रसन्न थे?
उत्तर - आश्रम के लोग महर्षि विश्वामित्र के आश्रम लौटने से और राम – लक्ष्मण के आगमन से प्रसन्न थे ।
प्रश्न-10 महर्षि विश्वामित्र ने आश्रम की रक्षा की ज़िम्मेदारी किन्हें सौंपी?
उत्तर - महर्षि विश्वामित्र ने आश्रम की रक्षा की ज़िम्मेदारी राम और लक्ष्मण को सौंपी ।
प्रश्न-11 मारीच क्यों क्रोधित था ?
उत्तर - मारीच यज्ञ के अलावा इस बात से क्रोधित था कि राम- लक्ष्मण ने उसकी मां को मारा था ।

पाठ -3 नादान दोस्त
(लेखक – मुंशी प्रेमचंद)

➢ पाठ का सार

'नादान दोस्त' कहानी दो भाई-बहन पर आधारित कहानी है। इस कहानी को प्रेमचंद जी ने लिखा है। केशव और श्यामा दो भाई-बहन हैं। उनके घर के कार्निस के ऊपर चिड़िया ने अंडे दिए थे। वे चिड़िया के अंडों की सुरक्षा हेतु विभिन्न उपाय करते हैं। परन्तु उनके उपाय निरर्थक हो जाते हैं। चिड़िया अपने अंडे स्वयं ही तोड़ देती है। दोनों को बहुत पछतावा होता है। परन्तु बहुत देर हो चुकी होती है। वे दोनों अंडों की सुरक्षा के लिए अच्छे कार्य ही करते हैं। परन्तु ज्ञान और अनुभव की कमी के कारण वे उनकी बर्बादी का कारण बन बैठते हैं। प्रेमचंद ने इसीलिए उन दोनों को नादान दोस्त कहा है। यह कहानी हमें सीख देती है कि किसी भी कार्य को करने से पहले पूरी तरह से सुनिश्चित कर लें कि जो आप कर रहे हैं, वह सही है या नहीं। केशव और श्यामा ने चिड़िया के बच्चों के लिए जो भी किया था यदि वे अपने माता-पिता से एक बार पूछ लेते, तो शायद वे उन बच्चों को अपने सामने देख पाते।

➢ नए शब्द

1- तसल्ली
2- जिज्ञासा
3- कार्निस
4- टहनी
5- सिटकनी
6- टहनी
7- यकायक
8- प्रस्ताव

➢ शब्दार्थ

1- कार्निस = दीवार के ऊपर का आगे बढ़ा हुआ भाग
2- सुध = याद ,होश
3- तसल्ली = दिलासा
4- पेचीदा = मुश्किल
5-जिज्ञासा = जानने की इच्छा
6- अधीर = बैचेन
7- प्रस्ताव = सुझाव
8- चाव = शौक

9- उधेड़बुन = सोच -विचारकर सहसा

10- यकायक = एकदम ,

11- उजला = साफ़

12- थामना = सहारा देना

13- जोग = प्रयास , कोशिश हुआ

14- भीगी बिल्ली बनना = डरा

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 चिड़िया ने कितने अंडे दिए थे?

उत्तर - चिड़िया ने तीन अंडे दिए थे।

प्रश्न-2 चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे?

उत्तर - चिड़िया ने अंडे कार्निस पर दिए थे।

प्रश्न-3 यकायक श्यामा की नींद कब खुली?

उत्तर - यकायक श्यामा की नींद चार बजे खुली।

प्रश्न-4 टूटे अंडों से क्या चीज़ बाहर निकल आई थी?

उत्तर - टूटे अंडों से उजला उजला पानी बाहर निकल आई थी।

प्रश्न-5 केशव अंडों को देखने के लिए कार्निस तक कैसे पहुँचा था?

उत्तर - केशव अंडों देखने के लिए कार्निस तक स्टूल की मदद से पहुँचा था।

प्रश्न-6 माँ ने बच्चों को बाहर निकलने से क्यों मना किया था?

उत्तर - माँ ने बच्चों को बाहर धूप के कारण निकलने से मना किया था।

प्रश्न-7 श्यामा भाई से बार - बार क्या आग्रह कर रही थी?

उत्तर - श्यामा भाई से बार - बार अंडे दिखाने के लिए आग्रह कर रही थी।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 इस कहानी का शीर्षक नादान दोस्त क्यों रखा गया है?

उत्तर - इस कहानी का शीर्षक नादान दोस्त इसलिए रखा गया है क्योंकि बच्चे चिड़िया और अंडों के प्रति अपनी दोस्त निभा रहे थे परन्तु नादानी में वे अंडों की हिफ़ाजत करने के जोग में उनका नुकसान कर देते हैं।

प्रश्न-2 केशव श्यामा को अंडे क्यों नहीं देखने दे रहा था?

उत्तर - केशव श्यामा को अंडे इसलिए नहीं देखने दे रहा था क्योंकि श्यामा उससे छोटी थी और उसे डर था कि कहीं वह अंडे देखने में स्टूल से गिर न जाए और उसे इसके लिए अम्माँ से डाँट न खानी पड़े।

प्रश्न-3 दोनों चिड़ियाँ बार - बार कार्निस पर आती थीं पर बगैर बैठे ही क्यों उड़ जाती थीं?

उत्तर - कार्निस पर चिड़िया ने अंडे दिए थे। चिड़ा और चिड़िया दोनों अंडों को देखने आते थे। लेकिन वह अंडे गंदे हो चुके थे इसलिए वे उन्हें सेते नहीं थे। यही कारण था कि वे बगैर बैठे ही उड़ जाती थीं।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उत्तर - केशव ने देखा, कार्निस पर थोड़े तिनके बिछे हुए हैं और उन पर तीन अंडे पड़े हैं। उनकी हिफ़ाजत के लिए उसने चिथड़े मँगाकर उसकी गद्दी बनाई और उसे तिनकों पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे से उस पर रख दिए। उनको धूप से बचाने के लिए टोकरी को एक टहनी से टिकाकर उन पर छाया की। टोकरी के नीचे दाना पानी भी रख दिया जिससे चिड़िया को अंडो से दूर न जाना पड़े।

प्रश्न-2 केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा?

उत्तर केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा:-

1.उनकी हिफ़ाजत के लिए उन्होंने चिथड़े की गद्दी बनाई और उसे तिनकों पर बिछाकर अंडे धीरे से उस पर रख दिए।

2. उन्होंने उनको धूप से बचाने के लिए टोकरी को एक टहनी से टिकाकर उन पर छाया की।

3. उन्होंने टोकरी के नीचे दाना पानी भी रख दिया जिससे चिड़िया को अंडो से दूर न जाना पड़े।

प्रश्न-3 केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में क्या - क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उत्तर - केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में अनुमान लगाया कि उनमें से बच्चे निकल आए होंगे। बेचारी चिड़िया इतना दाना कहाँ से पाएगी कि सारे बच्चों का पेट भर सके। गरीब बच्चे भूख के मारे चूँ चूँ करके मर जाएँगे। उन्हें तिनकों पर परेशानी होगी और तेज़ धूप में भी कष्ट होगा। यदि उनके जगह मैं होता तो अनुमान लगाता कि कोई जानवर अंडों को नुकसान न पहुँचा दे। मैं अंडों को छूता नहीं। चिड़िया के लिए दाना मैं ज़मीन पर बिखेर देता।

व्याकरण

- **सर्वनाम** - जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें सर्वनाम कहते हैं ।
  उदाहरण : मैं, तू, आप,स्वयं, यह, वह, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या ।

- **सर्वनाम के भेद**
  १- पुरुषवाचक सर्वनाम
  २- निजवाचक सर्वनाम
  ३- निश्चयवाचक सर्वनाम
  ४- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
  ५- सम्बन्धवाचक सर्वनाम
  ६- प्रश्नवाचक सर्वनाम

1- पुरुषवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं । जैसे - मैं, तुम, हम, आप, वे ।

2- निजवाचक - जो सर्वनाम शब्द करता के स्वयं के लिए प्रयुक्त होते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे :स्वयं,आपही,खुद,अपनेआप।

उदाहरण
- तुम स्वयं यह कार्य करो।
- मैं अपने कपडे स्वयं धो लूँगा।
- मैं वहां अपने आप चला जाऊंगा।

3- निश्चयवाचक - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे : यह, वह, ये, वे।

उदाहरण
- वह एक लड़का है।
- वे इधर ही आ रहे हैं।
- यह कार मेरी है।

4- अनिश्चयवाचक - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है उसे

अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

उदाहरण :

- लस्सी में कुछ पड़ा है ।
- भिखारी को कुछ दे दो|
- मुझे कोई नज़र आ रहा है।

5- संबंधवाचक - जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध ज्ञात होता है|

उदाहरण :

- जहाँ चाह वहाँ राह ।
- जैसा बोओगे वैसा काटोगे|
- जैसी करनी वैसी भरनी।

6- प्रश्नवाचक - जिन सर्वनाम से वाक्य में प्रश्न का बोध होता है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

उदाहरण

- रमेश क्या खा रहा है?
- कमरे मैं कौन बैठा है?

लेखन -विभाग

अनुच्छेद

- **वन और हमारा पर्यावरण**

वन और पर्यावरण का गहरा संबंध है। ये सचमुच जीवनदायक हैं। ये वर्षा लाने में सहायक होते है और धरती की उपजाऊ-शक्ति को बढ़ाती है। वन ही वर्षा के धारासार जल को अपने भीतर सोखकर बाढ़ का खतरा रोकती है। यही रूका हुआ जल धीरें-धीरें सारे पर्यावरण में पुनः चला जाता है। वनों की कृपा से ही भूमि का कटाव रूकता है। सूखा कम पड़ता है तथा रेगिस्तान का फैलाव रूकता है। वन हमारे द्वारा छोड़ी गई गंदी साँसों को कार्बन डाइआॅक्साइड को भोजन के रूप में ले लेते हैं और बदले में हमें जीवनदायी आक्सीजन प्रदान करते है। इन्हीं जगलो में असंख्य, अलभ्य जीवन-जंतु निवास करते हैं जिनकी कृपा से प्राकृतिक संतुलन बना रहता हे। आज शहरां में लगातार ध्वनि-प्रदूषण बढ़ रहा है। वन और वृक्ष ध्वनि-प्रदूषण भी रोकते है। यदि शहरों में उचित अनुपात में पेड़ लगा दिए जाएँ तो प्रदूषण की भंयकर समस्या का समाधान हो सकता है। परमाणु उर्जा के खतरे को तथा अत्यधिक ताप को रोकने का सशक्त उपाय भी वनों के पास है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोंतो के भंडार है। इनमें ऐसी दुर्लभ वनस्पतियाँ सुरक्षित रहती है जो सारे जग को स्वास्थय प्रदान करती हे। गंगा-जल की पवित्रता का कारण उसमें मिली वन्य औषधियाँ ही है। इसके अतिरिक्त वन हमें लकड़ी, फूल-पत्ती, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्रदान करते है। भाग्य से आज भारतवर्ष में केवल 23 प्रशित वन रह गए है। अंधाधुंध कटाई के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। वनों का संतुलन वनाए रखने के लिए 10 प्रतिशत और अधिक वनों की आवश्यकता हे। जैसे-जैसे उद्योगो की संख्या बढ़ती जा रही हे, वाहन बढ़ते जा रहे हैं, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और अधिक बढ़ती जाएगी।

- **गतिविधि – चिड़िया का चित्र बनाओ |**

कविता -4 चाँद से थोड़ी-सी गप्पे
(लेखक – श्री शमशेर बहादुर सिंह)

➢ कविता का सार

कविता में एक दस – ग्यारह साल की लड़की चाँद से गप्पें लड़ा रही है| वह चाँद से कहती है कि आप गोल है , पर जरा तिरछा नज़र आते है | आपका वस्त्र यह पूरा आकश है , जिसमें सारे तारे जुड़े हुये है | इस पोशाक के बीच में केवल आपका गोरा चिट्टा ,गोल चेहरा दिखाई देता है | आप हमें बेवकूफ मत समझिए | हम जानते कि आप तिरछे नज़र क्यों आते हैं | आपको कोई बीमारी है | तभी आप घटते हैं , तो घटते ही चले जाते हैं फिर पूरी तरह गायब हो जाते हैं | फिर बढ़ते है तो बढ़ते ही चले जाते हैं , जब तक पूरे गोल न हो जाएँ | पता नहीं क्यों ,पर आपकी यह बीमारी ठीक ही नहीं होती |

➢ नए शब्द

1) गोकि
2) निरा
3) मरज़
4) पोशाक

➢ शब्दार्थ

1) गोरा-चिट्टा = बहुत सफ़ेद
2) पोशाक = वेषभूषा
3) गोकि = चूंकि
4) निरा = एकदम
5) दम लेना = विश्राम करना
6) गोल हो जाना = गायब हो जाना
7) मरज़ = रोग , बीमारी

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) चाँद से गप्पें कौन लड़ा रहा है?

(i) लड़का
(ii) तारे
(iii) लड़की
(iv) आसमान

ख) चाँद को कैसी बीमारी है?

(i) घटने की (ii) बढ़ने की

(iii) दोनों की (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) "चाँद से थोड़ी-सी गप्पें' कविता के कवि कौन हैं?

(i) केदारनाथ अग्रवाल **(ii) शमशेर बहादुर सिंह**

(iii) सुमित्रानंदन पंत (iv) विनय महाजन

घ) बालिका ने चाँद को क्या बीमारी बताई है?

(i) क्रोध करने की (ii) लाल-पीला होने की

(iii) घटने-बढ़ने की (iv) भूलने की

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. चाँद की पोशाक की क्या विशेषता है?

उत्तर- आकाश के चारों तरफ फैली हुई है।

प्रश्न 2. कवि के अनुसार चाँद को क्या बीमारी है?

उत्तर- तिरछे रहने की।

प्रश्न 3. लड़की चाँद के घटने बढ़ने का क्या कारण बताती है?

उत्तर- लड़की कहती है कि चाँद किसी बीमारी से ग्रस्त होने के कारण घटताबढ़ता है।-

प्रश्न 4. यह आपको अच्छा ही नहीं होने में आता है 'मरज़', का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- चाँद पंद्रह दिन अमावस्या के अगले दिन से लेकर पूर्णिमा तक बड़ा होता है। पूर्णिमा के अगले दिन से अमावस्या तक फिर छोटा होता चला जाता है। चाँद को यह क्रम निरंतर चलता रहता है|

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

1- **कविता में "आप पहने हुए हैं कुल आकाश "कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?**

उत्तर:- कविता में "आप पहने हुए हैं कुल आकाश" कह कर लड़की कहना चाहती है कि चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

2- "यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।"इस कविता द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर - कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी हैजो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्योंकि जब ये घटते हैं तो केवल घटते ही चले जाते हैं और जब बढ़ते हैं तो बिना रूके दिन प्रतिदिन निरन्तर बढ़ते ही चले जाते हैं। तब-तक, जब-तक ये पूरे गोल न हो जाए। कवि की नज़र में ये सामान्य क्रिया नहीं है।

3 -"हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तर:- "हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की कहना चाहती है कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते है कि पूरे गोल हो जाते हैं।

व्याकरण

क्रिया

➢ **क्रिया की परिभाषा** – जिस शब्द अथवा शब्द समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो वह क्रिया कहलाती हैं।

जैसे –
सीता गा रही है।
श्याम दूध पी रहा है।
सोहन कॉलेज जा रहा है।
तुम मेरे लिए दूध लाओ।

➢ **क्रिया के भेद**

क्रिया के दो भेद होते हैं –
1 . सकर्मक क्रिया
2 . अकर्मक क्रिया

1 . सकर्मक क्रिया – जिस क्रिया के कार्य का फल कर्त्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं अर्थात इन क्रियाओं में कर्म अवश्य होता हैं।

उदहारण –
(i) वह चढ़ता है।
(ii) वे हंसते हैं।
(iii) नीता खा रही है।
(iv) पक्षी उड़ रहे हैं।
(v) बच्चा रो रहा है।

2 . अकर्मक क्रिया – जिन क्रियाओं में कोई कर्म नहीं होता और उनके व्यापार का फल कर्त्ता ही पड़ता है, वे अकर्मक क्रिया कहलाती हैं।

(i) वह चढाई चढ़ता है।
(ii) मैं खुशी से हँसता हूँ।
(iii) नीता खाना खा रही है।
(iv) बच्चे जोरों से रो रहे हैं।

लेखन -विभाग
संवाद लेखन

➢ टिकट बाबू और यात्री में संवाद

टिकट बाबू- आप अपना टिकट दिखाइए।

यात्री- यह रहा टिकट !

टिकट बाबू- यह टिकट तो शोलापुर तक का ही है। आप तो उससे एक स्टेशन आगे आ चुके हैं।

यात्री- एक स्टेशन आगे? तो क्या शोलापुर पीछे छूट गया?

टिकट बाबू- जी हाँ, शोलापुर तो पीछे छूट गया।

यात्री- यह तो बड़ी गड़बड़ हो गई अब क्या होगा?

टिकट बाबू- आप कर क्या रहे थे?

यात्री- जीमेरी आँख लग गई थी। !

टिकट बाबू- आपको पहले से सचेत रहना चाहिए। कहीं ऐसी भी गलती होती हैं?

यात्री- असल में मैं इस रास्ते में अनजान हूँ। मुझे पता नहीं था कि शोलापुर किस स्टेशन के बाद है।

टिकट बाबू- ठीक है। आप अगले स्टेशन पर उतर जाइए और आइन्दा इस बात का ध्यान रखिएगा। वरना आपको फाइन हो सकती है।

यात्री- भला मैं ऐसा क्यों करूँगा? इससे तो मुझे ही परेशानी होगी।

➢ **गतिविधि –** चाँद का चित्र बनाए और चाँद के ऊपर एक कविता लिखिए |

>>